

## नेवगिटि इंडियाज़ ट्रांज़िशन टू सस्टेनेबलिटी

### प्रलिस के लयि:

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और सथरिता रपिर्टगि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, SEBI, पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG), BRSR

### मेन्स के लयि:

भारत में कॉरपोरेट गवर्नेंस में सुधार के उपाय ।

स्रोत: पी.डब्ल्यू.सी.

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में पेशेवर सेवा नेटवर्क पी.डब्ल्यू.सी. इंडिया ने 'नेवगिटि इंडियाज़ ट्रांज़िशन टू सस्टेनेबलिटी' नामक एक रपिर्ट प्रकाशित की है ।

- रपिर्ट में भारत में अग्रणी कंपनियों की सथरिता पहल पर ध्यान केंद्रित किया गया है ।

### रपिर्ट की मुख्य बातें क्या हैं?

#### परचिय:

- रपिर्ट विश्लेषण करती है कि कंपनियों भारतीय प्रतभित और वनिमिय बोर्ड (Securities and Exchange Board of India-SEBI) द्वारा अनवार्य व्यावसायिक जमिमेदारी और सथरिता रपिर्टगि (Business Responsibility and Sustainability Reporting- BRSR) के प्रकटीकरण के प्रत किस प्रकार अपनी अनुकूलन क्षमता वकिसति कर रहे हैं ।
- विश्लेषण में 31 मार्च, 2023 को समाप्त वत्तीय वर्ष के लयि शीर्ष 100 कंपनियों की BRSR रपिर्ट शामिल है ।
- भारत के व्यावसाय क्षेत्र को 2070 तक भारत के नेट जीरो वज़िन को प्राप्त करने में एक महत्त्वपूर्ण समर्थक के रूप में देखा जाता है ।
  - नेट जीरो को कार्बन तटस्थता के रूप में जाना जाता है अर्थात उत्पादित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और वायुमंडल से बाहर निकाले गए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बीच एक समग्र संतुलन प्राप्त करना ।

#### रपिर्ट की मुख्य बातें:

- बाज़ार पूंजीकरण के अनुसार, भारत की शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों में से 51% ने BRSR में स्वैच्छिक प्रकटीकरण के बावजूद वत्त वर्ष 2013 के लयि अपने डेटा को प्रदर्शित किया ।
- 34% कंपनियों द्वारा अपने स्कोप 1 उत्सर्जन को तथा 29% द्वारा अपने स्कोप 2 उत्सर्जन को कम किया गया ।
  - स्कोप 1 में ऐसे उत्सर्जन स्रोतों को शामिल किया गया है जो किसी संगठन के स्वामित्व या प्रत्यक्ष नियंत्रण में हैं ।
  - स्कोप 2 में ऐसे उत्सर्जन स्रोतों को शामिल किया गया है जिनसे कंपनी अप्रत्यक्ष रूप से संबंधित होती है जैसे कंपनी की ऊर्जा खरीद और उपयोग से होने वाला उत्सर्जन ।
- शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों में से 44% ने अपने उत्पादों या सेवाओं का जीवन-चक्र मूल्यांकन किया ।
- 49% कंपनियों ने नवीकरणीय स्रोतों से अपनी ऊर्जा खपत को बढ़ावा दिया और 31% कंपनियों ने अपने शुद्ध-शून्य लक्ष्य का प्रदर्शन किया ।
- उत्सर्जन में कमी लाने वाली प्रमुख पहलों में LEDs जैसी ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों को अपनाना, कुशल एयर कंडीशनगि, वेंटिलेशन एवं हीटगि सिस्टम को अपनाना, ऊर्जा आवश्यकताओं के लयि नवीकरणीय स्रोतों को अपनाना, कार्बन ऑफसेट खरीदना एवं ऑफ-साइट बजिली खरीद समझौतों को अपनाना शामिल है ।



## Scope 1

Direct emissions

**Direct emissions that are owned or controlled by a company.**

Emissions from sources that an organisation owns or controls directly.

### Example

From burning fuel in the company's fleet of vehicles (if they're not electrically powered).



## Scope 2

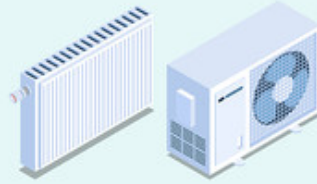
Indirect emissions

**Indirect emissions that are a consequence of a company's activities but occur from sources not owned or controlled by it.**

Emissions a company causes indirectly that come from where the energy it purchases and uses is produced.

### Example

The emissions caused by the generation of electricity that's used in the company's buildings.



## Scope 3

Indirect emissions

**All emissions not covered in scope 1 or 2, created by a company's value chain.**

All emissions not covered in scope 1 or 2, created by a company's value chain.

### Example

When the company buys, uses and disposes of products from suppliers.



नोट:

- **व्यावसायिक उत्तरदायित्व एंड सथरिता रिपोर्टिंग (BRSR)** का उद्देश्य पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ESG) विचारों पर ध्यान केंद्रित करके व्यवसायों एवं उनके हतिधारकों के बीच अधिक सार्थक जुड़ाव की सुवधि प्रदान करना है।
- **ESG** लक्ष्यों में दशानरिदेशों की एक रूपरेखा शामिल है जो कंपनियों को अपने संचालन में बेहतशासन, नैतिक आचरण, पर्यावरणीय रूप से सतत् प्रथाओं और सामाजिक ज़म्मेदारी का पालन करने के लिये प्रेरित करती है।
  - **पर्यावरणीय मानदंड**, पर्यावरण के संरक्षक के रूप में कंपनी की भूमिका का आकलन करते हैं।
  - **सामाजिक** मानदंड कंपनी के कर्मचारियों, आपूर्तिकर्त्ताओं, ग्राहकों और उन समुदायों के साथ-साथ उन संबंधों का भी मूल्यांकन करते हैं, जिनके आधार पर वे कार्य करती हैं।
  - **शासन एक कंपनी में नेतृत्व**, कार्यकारी क्षतपूरति, लेखा परीक्षा, आंतरिक नियंत्रण और शेयरधारकों के अधिकारों पर केंद्रित है।



## भारत के लिये यह रपिपोर्ट कतिनी महत्त्वपूर्ण है?

- रपिपोर्ट **ESG** वचिारों पर ज़ोर देते हुए स्त्थरिता की दशिा में भारत की यात्त्रा पर प्रकाश डालती है।
  - रपिपोर्ट कंप्नयिों को उनके स्त्थरिता प्रयासों के लयि जवाबदेह होने के लयि प्रोत्साहति करती है।
- यह रपिपोर्ट **SEBI** द्वारा शुरु कयि गए **BRSR** ढाँचे के अनुरूप है। रपिपोर्ट अनुपालन और पारदर्शी प्रकटीकरण के लयि एक मार्गदर्शक के रूप में भी कार्य करती है।
- यह रपिपोर्ट स्त्थरिता, नविशकों के वशिवास को बढ़ाने के प्रतभारत की प्रतबिद्धता को दर्शाती है।
  - वैश्वकि स्तर पर, सतत् प्रथाएँ एक प्रतसिपर्धात्मक रूप से लाभकारी बन रही हैं और यह रपिपोर्ट भारत को अनुकूल स्त्थति में रखती है।
- नीतिनिश्चिता सतत् प्रथाओं को बढ़ावा देने वाले नयिओं और नीतयिों को आकार देने के लयि इस रपिपोर्ट से अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं।
- भारत में स्त्थरिता की ओर बदलाव केवल नयिओं को पूर्ण करने के वषिय में नहीं है, बल्कि यह एक ज़मिमेदार तरीके से वकिस को बढ़ावा देने के वषिय में भी है।
  - रपिपोर्ट पर्यावरण और सामाजकि कल्याण के साथ आर्थकि वकिस को संतुलति करने की आवश्यकता पर ज़ोर देती है।

## भारत में ESG अनुपालन सुनिश्चति करने के लयि क्या पहल की गई हैं?

- वर्ष 2011 में **कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (Ministry of Corporate Affairs- MCA)** ने व्यवसाय की सामाजकि, पर्यावरणीय और आर्थकि ज़मिमेदारयिों पर **राष्ट्रीय स्वैच्छकि दशिानरिदेश (NVGs)** जारी कयि, जो कंप्नयिों के लयि **ESG** प्रकटीकरण मानकों को परभाषति करने में एक प्रारंभकि कदम था।
- **SEBI** ने 2012 में **व्यवसाय उत्तरदायतिव रपिपोर्ट (BRR)** पेश की, जसिमें बाज़ार पूँजीकरण द्वारा शीर्ष 100 सूचीबद्ध संस्थाओं को अपनी वार्षकि रपिपोर्ट में BRR को शामिल करने की आवश्यकता थी। बाद में इसे वर्ष 2015 में शीर्ष 500 सूचीबद्ध संस्थाओं तक बढ़ा दिया गया।
  - 2021 में SEBI ने BRR रपिपोर्टिग आवश्यकता को अधिक व्यापक **व्यावसायकि उत्तरदायतिव एंड स्त्थरिता रपिपोर्टिग (BRSR)** में परिवर्तति कर दिया।
- **"ज़मिमेदार व्यावसायकि आचरण पर राष्ट्रीय दशिानरिदेश" (NGBRCs)** में 9 सदिधांत शामिल हैं और BRSR सूचीबद्ध कंप्नयिों से इस बारे में प्रकटीकरण का अनुरोध करता है कविे इन सदिधांतों के संबंध में क्या कर रहे हैं।
- कंप्नयिों के पास **ग्लोबल रपिपोर्टिग इनिशिएटिव (GRI)**, कार्बन डसिक्लोज़र प्रोजेक्ट (CDP) और सस्टेनेबलिटी अकाउंटिग स्टैंडर्ड्स बोर्ड (SASB) जैसी ESG प्रथाओं के प्रतअपनी प्रतबिद्धता प्रदर्शति करने के लयि वभिन्नि रपिपोर्टिग फ्रेमवर्क का उपयोग करने का अवसर है।

## भारतीय प्रतभूत और वनमिय बोरुड (SEBI):

- **SEBI** भारतीय प्रतभूत और वनमिय बोरुड अधनियम, 1992 के प्रावधानों के अनुसार 12 अप्रैल, 1992 को स्थापति एक वैधानकि नकिय (एक गैर-संवैधानकि नकिय जसै संसद द्वारा स्थापति कयिा गया) है ।
- SEBI का मूल कार्य प्रतभूतियों में नविशकों के हतियों की रकषा करना तथा प्रतभूत बाज़ार को बढावा देना एवं वनियमति करना है ।
- SEBI का मुख्यालय **मुंबई** में स्थति है तथा कषेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई और दल्लि में स्थति हैं ।

**??????:**

भारतीय प्रतभूत और वनमिय बोरुड देश में प्रतभूत बाज़ार की नगिरानी तथा वनियमन में महत्त्वपूर्ण भूमकि नभिता है । इसके महत्त्व को बताते हुए इसके समकष आने वाली बाधाओं पर चर्चा कीजयि ।

## UPSC सवलि सेवा परीकषा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

प्रश्न. पंजीकृत वदिशी पोर्टफोलयो नविशकों द्वारा उन वदिशी नविशकों को, जो स्वयं को सीधे पंजीकृत कराए बनिा भारतीय स्टॉक बाज़ार का हसिा बनना चाहते है, नमिनलखिति में से कयिा जारी कयिा जाता है? (2019)

- (a) जमा प्रमाण-पत्र
- (b) वाणजियकि पत्र
- (c) वचन-पत्र (प्रॉमसिरी नोट)
- (d) सहभागति पत्र (पार्टसिपिटरी नोट)

उत्तर: (d)

**??????:**

Q."हाल के दनिों का आर्थकि वकिस श्रम उत्पादकता में वृद्धि के कारण संभव हुआ है ।" इस कथन को समझाइये । ऐसे संवृद्धि प्रतरूप को प्रस्तावति कीजयि जो श्रम उत्पादकता से समझौता कयि बनिा अधिक रोजगार उत्पातत में सहायक हो । (2022)